रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 16 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 256 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन लगाने की तैयारी

डीएमके सरकार ला रही है विधानसभा में बिल

चेन्नई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी झगड़े के शांत होने के बाद दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में भाषा विवाद खड़ा होता दिखाई दे रहा है। तमिलनाडु में डीएमके सरकार ने हिंदी होर्डिंग्स, फिल्मों और गानों पर पाबंदी लगाने के लिए विधानसभा में बिल पेश करने की तैयारी की है। सूत्रों के हवाले जानकारी सामने आई है कि तमिलनाडु विधानसभा में एक ऐसे ही प्रावधान वाला बिल स्टालिन सरकार रखेगी। बीजेपी ने डीएमके सरकार के इस कदम को बेतुका और भ्रमित करने वाला बताया है। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु सरकार आज विधानसभा में एक विधेयक पेश करने वाली है, जिसका उद्देश्य राज्य में हिंदी को लागू करने पर प्रतिबंध लगाना है। प्रस्तावित कानून पर चर्चा के लिए कल रात कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक आपात बैठक हुई थी। मुख्यमंत्री डीएमके की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने इस संबंध में अभी कुछ भी नहीं कहा है कि चर्चा है कि सरकार विधानसभा के मौजूद सत्र में हिंदी होर्डिंग्स, फिल्मों और गानों को लेकर एक बिल ला रही है। सूत्रों ने बताया कि विधेयक पूरे तमिलनाडु में हिंदी होर्डिंग्स, बोर्ड्स, फिल्मों और गानों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है, हालांकि अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह संविधान के अनुरूप होगा। वरिष्ठ डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने विधेयक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान के विरुद्ध कुछ नहीं करेंगे। हम उसका पालन करेंगे। हम हिंदी थोपने के खिलाफ हैं। बीजेपी के नेता विनोज सेल्वम ने इस कदम को मूर्खतापूर्ण और बेतुका बताया है। सेल्वम ने कहा कि भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक को वर्तमान में असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है।

चाहे जितनी जल्दी हो, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें

- मुख्यमंत्री बोले-नियमों का पालन कर आप सभी बनें जिम्मेदार नागरिक
- डॉ. यादव ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का सभी से किया आह्वान
- डीडीएचआई और सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर हुए दो अलग-अलग एमओयू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन अनमोल है। तेजी में या असावधानीवश सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में उचित नहीं है। दुनिया का कोई भी काम किसी की जिंदगी से बड़ा नहीं होता, इसलिए चाहे जितनी भी जल्दी हो, सड़क पर चलते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना हर नागरिक का प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने अपील की कि सभी लोग दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना कतई न भूलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सुधरेंगे, तो जग भी सुधरेगा। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना न केवल हमारी जरूरत है, बल्कि एक जागरुक नागरिक के रूप में हमारी बड़ी जिम्मेदारी भी है। सिविक सेंस कहता है कि वाहन चलाते समय हमें अपने साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा का दायित्व भी समझना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बुधवार को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में सड़क सुरक्षा उपायों पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक अच्छे वाहन चालक की सच्ची कुशलता तो इस बात में है कि हम सड़क पर अपनी सेंसिबल ड्राइविंग और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण से दूसरों को भी प्रेरणा दें। सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक सजगता से ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। जन-जागरुकता से समाज में एक सुरक्षित यातायात संस्कृति और इसके लिए जरूरी व्यवस्थाओं का निर्माण किया जा सकता है। सड़क सुरक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने में हमारी सरकार कभी भी पीछे नहीं हटेगी।

मंथन से निकले सुझाव सड़क के लिए दीर्घकालिक धरोहर साबित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में है। यहां सड़क और राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क है। देश के प्रमुख महानगरों तक जाने वाले मार्ग मध्यप्रदेश से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि हम सड़क सुरक्षा प्रबंधन और दुर्घटनाएं रोकने के मामले में देश में पांचवें स्थान पर हैं। समाज सरकार, जनप्रतिनिधियों और प्रदेश के हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से हम इस क्षेत्र में नंबर वन राज्य बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यशाला में मंथन से निकले सुझाव सड़क सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक धरोहर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम की नगरी ओरछा को आज नई सौगातें मिल रही हैं। मध्यप्रदेश विकास के मामले में देश का शीर्ष राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से अपील करते हुए कहा है कि सड़क पर जिम्मेदार नागरिक बनिए। आपकी लापरवाही आपके साथ दूसरों के जीवन पर भी भारी पड़ जाती है। आज भी कई लोग वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने से बचते हैं, सीट बेल्ट लगाने को जरूरी नहीं मानते। हेलमेट न पहनना और सीट बेल्ट नहीं लगाना यह सिर्फ नियम तोड़ना नही जिंदगी से खिलवाड़ है। स्पीड में गाड़ी चलाकर हीरो बनने की जरूरत नहीं।

तालिबान ने पाकिस्तानी टैंक और चेकपोस्ट पर किया कब्जा

बौखलाई मुनीर सेना,फाइटर जेट से बमबारी,8 सैनिकों को मारा

इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की तालिबान सेना के ताबड़तोड़ हमलों के बाद पाकिस्तान के जनरल बौखला गए हैं। जमीनी युद्ध में हारने के बाद अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ फाइटर जेट का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने बुधवार को अफगानिस्तान के स्पिन बोल्डक इलाके में हवाई हमला किया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, ये हवाई हमले चमन सीमा के पार किए गए, जहां कम से कम तीन अफगान तालिबान चौकियों को निशाना बनाया गया। स्थानीय सूत्रों ड्रोन और हवाई हमलों की जानकारी दी है। हमले में कई लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। इस बीच

बुधवार सुबह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तानी सेना पर बड़ा हमला करके 8 पाकिस्तानी सैनिकों को मार दिया है। ओरकजई के घिलजो इलाके में महमूदजई चौकी पर हुए हमले में फ्रंटियर कोर के 8 जवान मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट बताती हैं कि कुछ फ्रंटियर कोर के जवान अभी भी लापता हैं। मंगलवार रात से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर भयंकर झड़प छिड़ी हुई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने एक बयान में बताया कि पाक-अफगान सीमा पर किए गए हमले में 15-20 तालिबानी मारे गए हैं। बयान में कहा गया कि 15 अक्टूबर को तड़के अफगान तालिबान ने बलूचिस्तान के स्पिन बोल्डक इलाके में चार जगहों पर कायराना हमला किया। पाकिस्तानी सेना ने इस हमले को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया। बयान में कहा गया है कि ये हमले स्पिन बोल्डक इलाके के गांवों में नागरिक आबादी की परवाह किए बिना किए गए। इसमें यह भी बताया कि अफगान तालिबान ने अपनी तरफ पाक-अफगन मैत्री द्वार को भी नष्ट कर दिया। बयान में आगे कहा कि हमले को विफल करते हुए 15-20 अफगान तालिबान मारे गए और कई घायल हुए। आईएसपीआर के अनुसार, स्थिति अभी विकसित हो रही है।

आईएमएफ की बैठक से किनारा करेंगी वित्तमंत्री

- भारत-अमेरिका तनाव के बीच निर्मला सीतारमण का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में शामिल नहीं होंगी। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रूस से तेल खरीद को लेकर तनातनी जारी है। इस उच्चस्तरीय बैठक में भारत का

प्रतिनिधित्व अब वित्त मंत्रालय की आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर करेंगी। उनके साथ भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन भी शामिल होंगे। सीतारमण की अनुपस्थिति उस पृष्ठभूमि में खास मानी जा रही है जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी तक का शुल्क लगा दिया है, जिसमें रूस से तेल खरीद को लेकर 25 फीसदी का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस दौरान ब्रिक्स, जी-20 और जी-24 समूह की बैठकों में हिस्सा लेगा। ये सभी मंच वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों की वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित हैं।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी सफलता किरन गुप्ता हत्याकांड का फरार आरोपी आकाश रघुवंशी आखिरकार गिरफ्तार

गोस्वामी

शिवपुरी। देहात थाना पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे किरन गुप्ता हत्याकांड के आरोपी आकाश रघुवंशी को आखिरकार दबोच लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा चलाए जा रहे "फरार एवं स्थाई वारंटियों की धरपकड़ अभियान" की एक और बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस को लंबे समय से आरोपी की तलाश थी, जो सजा से बचने के लिए फरार चल रहा था। मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर पुलिस ने आज 15 अक्टूबर 2025 को तुलसीनगर निवासी आकाश रघुवंशी (उम्र 19 वर्ष) को उसके होटल डेहरवारा, शिवपुरी से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मूले और नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई एवं उनकी टीम ने अंजाम दिया। गौरतलब है कि इस चर्चित प्रकरण में माननीय विशेष न्यायाधीश एमपीडीवीपीके एक्ट शिवपुरी की अदालत ने पहले ही अनमोल जैन को आजीवन कारावास एवं अजय जैन को 10 वर्ष की सजा सुनाई थी, जबकि आकाश रघुवंशी फरार चल रहा था।

सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मी

निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई, प्र. आर. दीपचन्द्र (548), प्र.आर. आदेश धाकड़ (281), प्र.आर. देवेन्द्र सेन (499), आर. बलवीर सिंह (925), आर. अरुण मेवाफरोस (907), आर. बदन सिंह (511), आर. शकील खाँ (879), आर. देशराज (957), आर. सचेन्द्र शर्मा (556) एवं आर. रिंकू शाक्य (672) की इस कार्रवाई में मुख्य भूमिका रही। शिवपुरी पुलिस की यह सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि फरार रहकर कानून से बच पाना अब नामुमकिन है!

राजनीतिक संत का माल्यार्पण कर गए लेकिन मंच से जिक्र करना उचित नहीं समझा

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या। मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बागली की सभा में पहले मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक सभा के लिए 1962 का जिक्र करते हुए केलाश कटाजु का नाम लिया जबकि क्षेत्र को पहचान दिलाने वाले राजनीतिक संत केलाश जोशी दिसंबर 1977 में मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए सार्वजनिक रूप से बागली आए तब उन्हें बागली के कार्यकर्ताओं ने अपनी गाड़ी कमाई से एकत्रित राशि से उपहार स्वरूप एम्बेसडर कार भेटं की थी।

मुख्यमंत्री मोहन यादवने पूरे 45 मिनिट के भाषण में स्थानीय विधायक मुरली भवंरा एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संत राजनेता केलाश जोशी का नाम एक बार भी नहीं लिया जो चर्चा का विषय रहा वही जटाशंकर से कांटा फोड़ मार्ग 17 किलोमीटर के नवीनतम निर्माण करने की बात कही लेकिन बागली के समीप काली सिंध नदी पर बने 120वर्ष पुराने रणजीत बधं के विषय में कोई घोषणा नहीं की जब की इसका बना बेहद जरूरीहोकर अनिवार्य है। वर्तमानमें यह इतना छोटा पुल है कि बड़े वाहन इस पर से नहीं निकल पाते हैं इसके बने बगैर काटा फोड़ मार्ग एवं जटाशंकर के विकास को पूर्ण नहीं माना जा सकता मंच पर भी केलाश जोशी का फोटो किसी भी फ्लेक्स बैनर में नहीं दिखाई दिया। पूर्व विधायको को मैं शामिल दीपक जोशी चंपालाल देवडा का नाम भी मचं से किसी भी जनप्रतिनिधि ने नहीं लेकर उन्हें दरकिनार किया जबकि पूरी बागली विधानसभा ऐसा बगीचा है। जिसे सीचंने में केलाश जोशी चंपालाल देवडा नंदू कुमार सिंह चौहान एवं दीपक जोशी के कार्यों को और संगठन के प्रति लगन को भुलाया नहीं जा सकता। भारतीय जनता पार्टी का गढ़ बागली ऐसे ही नहीं बना इसके लिए जमीनी कार्यकर्ता के रूप में जी लोगों ने यह कार्य किया उनका नाम मुख्यमंत्री जी शायद लेना नहीं चाहते थे या लेने नहीं दिया गया यहां चर्चा का विषय रहा।

लोक कल्याण के लिए श्री चंद्र मोलेश्वर महादेव मंदिर में संपूर्ण कार्तिक मास में सग्राहमख लक्ष्मी नारायण यज्ञ

दरबार सिंह ठाकुर

देपालपुर। श्री चंद्र मोलेश्वर महादेव मंदिर में कार्तिक मास के शुभारंभ के साथ ही सम्पूर्ण कार्तिक मास में नियमित यज्ञ की शुरुआत की गई। हवन यज्ञ पंडित गौरव व्यास और पंडित शुभम शर्मा द्वारा सम्पन्न कराया जाता हे। पंडित व्यास और शर्मा ने कहा कि कार्तिक मास में मुख्य रूप से विष्णु भगवान की आराधना का महत्व होता है। इस दौरान पावन मंदिरों जहां इनसे जुड़े कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, इसलिए लोक कल्याण ओर क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिए प्रतिदिन मंदिर में श्री सूक्त ओर पुरुष सूक्त मंत्रों द्वारा भगवन लक्ष्मी नारायण की आराधना पूरे कार्तिक मास में हो रही हे साथ ही भगवान गणेश और नवग्रह मंत्रों की आहुति भी यज्ञ में नाना प्रकार की औषधियां व

द्रव्यों द्वारा आहुति प्रदान की जा रही हे पूरे महीने में दो लाख इक्यावन हजार आहुतियां डलेगी।

पंडित गौरव व्यास ने बताया कि माता लक्ष्मी का संबंध

धन,वैभव,सुख,ओर ऐश्वर्य से है,उन्हें संसार के संचालन के लिए आवश्यक भौतिक संपदाओं की अधिष्ठात्री देवी माना गया हे। यह विश्वास हे कि उनकी कृपा से परिवार में आर्थिक समृद्धि,सुख शांति और प्रगति होती हैं। तो वहीं श्रद्धालु तुलसी व शालिग्राम की पूजा के साथ-साथ इनका विवाह संपन्न करते हैं। जिससे जुड़ी मान्यताएं ये हैं कि इससे जातक के धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि हिंदू पंचांग के 12 मास में से कार्तिक मास को भगवान विष्णु का नाम दिया गया है।

रणजीत टाइम्स

छोटे व्यापारियों से करें जरूरत की खरीदी-यादव

बागली।वर्तमान में त्योहारों का सीजन चल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्थानीय व्यक्ति को रोजगार देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है कि वह त्योहार सीजन के समय में जब भी खरीदी करने निकले कोशिश करेगी छोटे व्यापारी से उसकी खरीदी करें और ऐसे व्यापारियों का विशेष ध्यान दें जो बुजुर्ग और महिला हो तथा काम समान लेकर बेचने के लिए निकले हो उन लोगों से खरीदी करते हुए उनका सहयोग करें विशेष कर बुजुर्ग दुकानदारों से छोटी-छोटी वस्तुओं का भाव नहीं करें ऐसा करने से आप उनका अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर सकते हैं। वर्तमानमें बागली के बाजार में सीताफल बिकने को आ रहे हैं मुश्किल से 10 से 12 किलो वजन लेकर बुजुर्ग पुरुष या बुजुर्ग महिला 20 से 25 किलोमीटर दूरी तय करके किराया खर्च करते हुए बागली में सीता फल बेचने आ रहे हैं वैसे भी उनके भाव थोक व्यापारियों की अपेक्षा बहुत कम रहते है । 30 से 40 किलो सीताफल बेच रहे हैं ऐसी स्थिति में उनके फल खरीदे उनसे भाव कम करने के लिए ना कहे उक्त संदेश बागली नगर परिषद अध्यक्ष के प्रतिनिधि एवं नगर परिषद महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल यादव ने देते हुए कहा कि हम सभी के घर दीप जले दिपावली मने यही प्रयत्न रहना चाहिए। इसी प्रकार मिट्टी के दीपक देसी झाड़ू मोर पंख रंगोली के कलर लक्ष्मी जी के पाने आदि बेचने वाले बेहद गरीब परिवार से जुड़े रहते हैं। जिसमें बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से इस प्रकार की दुकान लेकरबैठते हैं । ऐसे छोटे दुकानदारों का ध्यान रखते हुए उनसे सामान अवश्य खरीदे । मिट्टी के दीए बनाने वाले दुकानदारों से नहीं लिया जाएगी बाजार बेटा राशी

बागली विधायक मुरली भंवरा ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा विगत वर्ष ही प्रस्ताव पारित कर दिया था ।किसी भी हाट बाजार में लोकल संस्कृति के तहत सामग्री बेचने वाले जैसे मिट्टीके दिए मोर पंख हाथों की बनी हुई झाड़ू आदि दुकानों से पंचायत कार्य दुकान टैक्स नहीं लिया जाए है। बाजार की पर्ची भी ऐसे व्यापारियों की नहीं के बराबर काटी जाए ऐसा करने से इन छोटे-छोटे दुकानदारों का प्रोत्साहन बढ़ेगा। मंगलवार से क्षेत्र में है बाजार की शुरुआत उदय नगर से हो गई है बुधवार को पिपरी में गुरुवार को रामपुरा में शुक्रवार को चापड़ा में शनिवार को दो अन्य जगह एवं रविवार को बागली में रहेगा हाट बाजार तथा सोमवार को पूजा पुर में रहेगा इसलिए खरीदी करते समय कुछ बातों का ध्यान सभी नागरिक रखेंगे तो सभी के घरों में अच्छी दिवाली मनेगी।

करेरा वन अमले ने की अतिक्रमण की रोकथाम एवं वेदखली की कार्रवाई

रणजीत टाइम्स

सरकार के निर्देश अनुसार वनमंडल अधिकारी शिवपुरी सुधांशु यादव के द्वारा जारी वेदखली आदेश एवं उप वनमंडल अधिकारी श्री आदित्य सांडिल के निर्देशन दिनांक 15/10/25 को सब रेंज खोड़ स्थित राधा स्वामी सत्संग जो की बीट दरगाह के RF 398 मे अवैधानिक तरीके से बनाया गया था, यहाँ बने निर्माण स्ट्रक्चर एवं तार फेंसिग को हटाया गया तथा पास मे लगी हुई वन भूमि पेट्रोल पंप खोड़ के मालिक श्री दिनेश खेड़ा द्वारा भी दीवार खड़ी कर नया एंव अबैध अतिक्रमण का प्रयास किया गया था जिसको समय रहते वन अमले के द्वारा विफल कर दिया गया, जिससे अबैध अतिक्रमण क्रारीयो में तोवा तोवा का माहोल बना हुआ है इस दौरान दिनेश खेड़ा के द्वारा शासकीय कार्य में बाधा भी उत्पन्न की गई एवं वन कर्मचारियों को देख लेने की धमकी दी गई,लेकिन वन अमले द्वारा अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया तो वही अवैध अतिक्रमण कारीयो के होंसले हुऐ पस्त ।

वन अमले की कार्रवाई में परिक्षेत्र अधिकारी लक्ष्मण सिंह मीणा के अलावा डिप्टी रेंजर कुलदीप गौर बलिराम अहिरवार, राजाराम करेतिया, शिमला मसराम उड़न दस्ता प्रभारी तुलसीराम चोपड़ा वनरक्षक कुणाल शर्मा, संदीप शर्मा, शैलेन्द्र चौहान, विनय बाल्मीकि आदि उपस्थित रहे ।

अशोक ट्रैवल्स की बड़ी लापरवाही

ओवरलोडिंग के कारण हो सकता था बड़ा हादसा

आज 16 अक्टूबर को सूरत से मंदसौर आ रही बस ओवरलोडिंग के कारण चलती बस में सस्पेंशन बलून फूटा। यात्रियों में भारी आक्रोश स्लीपर बस में ओवरलोडिंग और लोकल सवारियों से हुई बस खचाखच। बेहतर सर्विस के नाम पर यात्रियों से टिकट की भारी लूट। सूरत से मंदसौर आ रही बस बांसवाड़ा रोड घटीगारा बांसवाड़ा से करीब 30 किमी पहले ही चलती बस का बलून फूटा। यात्री होते रहे परेशान!

क्या ट्रैवल्स कंपनी को यात्रियों की जान की कोई परवाह नहीं? क्या इस तरह की लापरवाहियों का अंजाम यात्रियों

को ही भुगतना पड़ेगा? क्या भारी टिकट लुट ऐसे ही होती रहेगी? अशोक ट्रैवल्स के लिए यातायात के कोई नियम नहीं?

दीपावली पर नहीं जाएगी बिजली

- राजबाड़ा और सराफा बाजार क्षेत्रों में 4 रैपिड एक्शन स्क्वाड तैनात
- हर खराबी पर 10 मिनट में पहुंचेगी मदद

इंदौर। दीपावली के त्योहार के दौरान शहर की रोशनी कभी न बुझे, इसके लिए बिजली कंपनी ने पूरी तैयारी कर ली है। विशेष रूप से शहर के भीड़भाड़ वाले प्रमुख बाज़ारो- राजबाड़ा, छोटा और बड़ा सराफा, सीतलामाता बाजार, गोराकुंड चौराहा, आड़ा बाजार और यशवंत निवास रोड – में 24 घंटे निर्बाध विद्युत सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए 4 रैपिड एक्शन स्क्वाड तैयार किए गए हैं। सुभाष चौक विद्युत झोन के सहायक अभियंता इंजीनियर भास्कर घोष के अनुसार, प्रत्येक स्क्वाड में विद्युत कंपनी के 8 सहायक इंजीनियर स्तर के अधिकारी और 8 आउटसोर्स कर्मचारियों को शामिल किया गया है। यदि किसी कारणवश बिजली गुल होती है, तो यह रैपिड एक्शन स्क्वाड 5 से 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचकर सप्लाई बहाल करने का कार्य करेगा। त्योहारों के दौरान राजबाड़ा, सराफा और आसपास के बाजारों को शहर के हॉट स्पॉट इलाकों की श्रेणी में रखा गया है, क्योंकि इन स्थानों पर खरीदारी देर रात तक चलती है। दीपावली के अवसर पर इन बाजारों में रात तीन बजे तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है, जिसके चलते बिजली आपूर्ति का स्थिर रहना बेहद आवश्यक है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने शहर के इन इलाकों में 4 अस्थायी कंट्रोल रूम भी स्थापित किए हैं। ये कंट्रोल रूम राजबाड़ा, बजाज खाना चौक, सराफा बाजार और गोराकुंड चौराहा पर बनाए गए हैं। सभी कंट्रोल रूम सुभाष चौक विद्युत झोन से सीधे जुड़े रहेंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही सुबह 6 से 9 बजे तक विशेष मेंटेनेंस अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी कनेक्शन, ट्रांसफार्मर और केबल लाइनों की जांच की जा रही है, ताकि दीपावली के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी न हो। विद्युत कंपनी का कहना है कि त्योहारों के समय शहर की ऊर्जा जरूरतें सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती हैं, लेकिन रैपिड एक्शन स्क्वाड और कंट्रोल रूम की इस संयुक्त व्यवस्था के चलते इंदौर की रोशनी लगातार जगमगाती रहेगी। दीपावली पर रोशनी की इस सुरक्षा योजना से शहरवासियों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि यह सुनिश्चित होगा कि त्योहारी उमंग बिजली की किसी भी बाधा से प्रभावित न हो।

पीथमपुर में नहीं होगा यूनियन कार्बाइड की जहरीली राख का निष्पादन- हाई कोर्ट ने दिए राज्य सरकार को निर्देश, नोटिस जारी

इंदौर/पीथमपुर। भोपाल गैस त्रासदी के बाद बंद हुई यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर पिछले दिनों प्रदेश में जमकर सियासत हुई, यूनियन कार्बाइड के कचरे को पीथमपुर में जलाने का जमकर विरोध हुआ लेकिन फिर कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पीथमपुर में ही कचरे को जलाया गया। अब यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के बाद उसकी जहरीली राख को लेकर चिंताएं शुरू हो गई है, कचरे को जलाने का विरोध कर रही पीथमपुर बचाओ समिति ने अब कचरे से बनी जहरीली राख के निष्पादन को लेकर चिंता जताई है, समिति ने हाई कोर्ट में कचरे के निष्पादन को लेकर याचिका लगाई जिस पर कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। पीथमपुर बचाओ समिति के सदस्य हेमंत हीरोले ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से निकले 358 टन जहरीले कचरे को जनवरी 2025 में कोर्ट के निर्देश पर धार के पीथमपुर अस्फ्रस्ट्र प्लांट में भेजा गया था, जहाँ इसे जलाकर 899 टन राख बनाई गई। अब इस राख के निष्पादन को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं।

899 टन राख के लिए हाई कोर्ट के निर्देश

समिति के मुताबिक कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि 899 टन राख को ऐसे स्थान पर ले जाया जाए जहाँ न तो मानव बस्ती हो, न पेड़-पौधे और न ही जलस्रोत। कोर्ट ने सरकार के अब तक उठाए कदमों को अपर्याप्त बताया और वैकल्पिक स्थल की रिपोर्ट माँगी है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेने पर भी जवाब तलब किया है।

सरकार द्वारा प्रस्तुत एनिमेटेड वीडियो से संतुष्ट नहीं हुआ हाई कोर्ट कोर्ट ने चेतावनी दी कि प्राकृतिक आपदा में राख रखने का ढांचा टूटने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। याचिका में राख में पारे की मात्रा तय सीमा से अधिक होने की बात भी सामने आई है। हाई कोर्ट सरकार के प्रस्तुत एनिमेटेड वीडियो से संतुष्ट नहीं हुआ। इस मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। पीथमपुर बचाव समिति ने कोर्ट के फैसले को जनता की जीत बताया है।

भाजपा नगर इकाई गठन अंतिम चरण में, विजयवर्गीय और मालिनी खेमे से एक-एक महामंत्री तय, तीसरे नाम पर अभी भी विवाद जारी

इंदौर। भाजपा की नगर इकाई को लेकर चल रही रस्साकशी अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने नई नगर कार्यकारिणी की सूची तैयार कर प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी है। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा महामंत्री पदों को लेकर है, जिनकी संख्या तीन तय की गई है। इनमें से दो पदों पर प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला गुट तथा विधायक मालिनी गौड़ गुट को प्रतिनिधित्व दिया गया है। जबकि तीसरे महामंत्री के पद को लेकर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। इस पद के लिए विधायक महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला और मधु वर्मा से आपसी सहमति वाला एक नाम मांगा गया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी में सोमवार को प्रदेश कार्यालय में इस सूची पर लंबी चर्चा हुई। बैठक में अधिकांश विधायकों की अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए नामों का समायोजन किया गया। दो महामंत्रियों के नाम लगभग तय हो चुके हैं – सुधीर कोल्हे और महेश कुकरेजा, जबकि तीसरे महामंत्री का नाम तीन विधायकों की आपसी सहमति के बाद जोड़ा जाएगा। नगर इकाई में उपाध्यक्ष पदों के लिए भी छह नामों को अंतिम रूप देने की तैयारी है, जिनमें भूपेंद्र केसरी, दीपेंद्र सोलंकी, भारत पारीक, गौतम शर्मा, निलेश चौधरी और वासुदेव पाटीदार शामिल हैं। इसके अलावा महिला नेताओं में इंदु श्रीवास्तव और नेहा शर्मा के नाम मंत्री पद के लिए तय किए गए हैं।

फ्लायओवर निर्माण बना मुसीबत, सत्य साईं चौराहे से विजयनगर तक जाम

पुलिस की घंटों की मशक्कत के बाद राहत

इंदौर। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सत्य साईं चौराहा इन दिनों फ्लाईओवर निर्माण के कारण जाम का पर्याय बन गया है। दो दिनों से लगातार यहां के हालात बिगड़ते जा रहे हैं, क्योंकि निर्माण कंपनी ने बिना सूचना दिए ट्रैफिक सिग्नल की केबल काट दी है। इसके चलते रोजाना शाम के समय वाहनों का लंबा जाम लग रहा है, जो विजयनगर चौराहे तक पहुंच जाता है। यातायात पुलिस को घंटों की मशक्कत करनी पड़ रही है, तब जाकर स्थिति कुछ हद तक सामान्य हो पाती है। सत्यसाईं चौराहे पर फ्लायओवर निर्माण का कार्य कई महीनों से जारी है। इस दौरान यहां की सड़कें पहले से ही गड्ढों और धूल से भरी हुई हैं, जिससे आम वाहन चालकों को हर दिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पहले तो ट्रैफिक सिग्नल की मदद से किसी तरह यातायात नियंत्रित रहता था, लेकिन अब केबल कट जाने से पूरा सिस्टम अस्त-व्यस्त हो गया है। दो दिन से हर शाम यहां का नजारा एक जैसा है – गाड़ियों की लंबी कतारें, हॉर्न का शोर और यातायात पुलिस की भागदौड़। स्थिति इतनी विकराल हो गई कि वाहन एक-दूसरे में उलझ गए और जाम विजयनगर चौराहे तक फैल गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस के जवानों को कई घंटों तक पसीना बहाना पड़ा। स्थिति संभालने के लिए अतिरिक्त बल को मौके पर भेजा गया, तब जाकर यातायात कुछ देर बाद सुचारु हो सका। जोन 2 के एसीपी मनोज कुमार खत्री ने बताया कि आम दिनों में इस इलाके में ज्यादा बल की जरूरत नहीं पड़ती थी, लेकिन दो दिन पहले बिना सूचना दिए कंपनी ने सिग्नल की केबल काट दी। इसके बाद से यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ है। अब जोन 2 से सूबेदार और टीम यहां की व्यवस्था संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों को परेशानी से बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और बल की तैनाती लगातार रखी जाएगी। फ्लायओवर कार्य के कारण सड़कों की हालत भी बेहद खराब हो चुकी है। सत्यसांई से देवास नाका की दिशा में सड़क जगह-जगह से उखड़ी हुई है। गड्ढों और धूल के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग सबसे अधिक परेशानी वाला बन गया है। पहले बड़ी गिट्टी के ढेर दुर्घटना का कारण बनते थे, जिन्हें अब हटाया गया है, लेकिन उड़ती धूल अब भी सड़क पर सफर करने वालों के लिए चुनौती बनी हुई है। शहरवासी अब मांग कर रहे हैं कि निर्माण कंपनी और प्रशासन मिलकर इस मार्ग पर जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करें, ताकि दीपावली जैसे व्यस्त सीजन में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराए नहीं।

संपादकीय

अपराधियों के दुस्साहस को और मजबूत करता है सीएम का रवैया

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जहां इस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, वहां वे अपना पल्ला झाड़ने के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करती दिखती हैं। गौरतलब है कि दुर्गापुर में कालेज के प्रवेश द्वार के पास से अगवा करके कुछ लोगों ने छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया।

यह घटना पुलिस और कानून-व्यवस्था की लाचारगी का ही सबूत है कि आपराधिक तत्त्वों ने एक तरह से बेखौफ होकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। अफसोसनाक यह है कि कानून-व्यवस्था की इस स्तर की नाकामी के बाद राज्य की मुख्यमंत्री को जहां पहले जिम्मेदारी लेने और राज्य के पुलिस तंत्र को सवालों के कठघरे में खड़ा करना चाहिए था, वहां उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

सवाल है कि एक जघन्य अपराध के बाद ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की हकीकत को स्वीकार करने के बजाय पीड़ित को ही जिम्मेदार बता कर क्या हासिल करना चाहती हैं। क्या एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे यह स्वीकार कर रही हैं कि उनके शासन में रात के समय बलात्कार और अन्य जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले लोगों पर पुलिस या कानून की कोई लगाम नहीं होती? दरअसल, महिलाओं को देर रात घर से निकलने पर अपराधियों से खतरा होने को लेकर ममता बनर्जी का बयान न केवल लापरवाही से भरा है, बल्कि अपराधियों के

दुस्साहस को और मजबूत करता है।

पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है। इस क्रम में पीड़ित पर ही सवाल उठाने की प्रवृत्ति बेहद गैरजिम्मेदाराना है। किसी दुखद घटना का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल से सरकार खुद ही पल्ला झाड़ने में लगी है।

इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मनःस्थिति की गंभीरता को समझे। ऐसे मामलों में व्यक्ति के भीतर मानवीयता के मूल्यों की समझ का भी अंदाजा लगता है। मगर न केवल एक महिला, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता बनर्जी ने सामूहिक बलात्कार की पीड़ित की मनोदशा और पीड़ा को समझना जरूरी नहीं समझा।

बयान का विरोध होने पर वे भले ही सफाई में अपनी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया बताएं, लेकिन हकीकत यही है कि उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री पद पर होने और अपनी कोई जवाबदेही का एहसास करने के बजाय कानून-व्यवस्था को लागू करने में नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश की। राजनीति में अपने विपक्षियों का सामना या उनसे टकराव एक राजनीतिक तकाजा हो सकता है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के मामले में अगर इस तरह की लापरवाही से भरी प्रतिक्रिया दी जाती है, तो यह मुख्यमंत्री के रूप में उनकी शासकीय गंभीरता और क्षमता को भी कठघरे में खड़ा करता है।

धनतेरस पर किसानों के लिए खुशियों की बरसात

मुख्यमंत्री मोहन यादव एक क्लिक में ट्रांसफर करेंगे फसल मुआवजा राशि, ब्यावर में होगा ऐतिहासिक कार्यक्रम

भोपाल। इस बार धनतेरस का त्योहार मध्य प्रदेश के लाखों किसानों के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार राज्य के उन किसानों के लिए बड़ी राहत देने जा रही है, जिनकी फसलें प्राकृतिक आपदाओं से नष्ट हो गई थीं। आगामी 29 अक्टूबर 2025, धनतेरस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव स्वयं राजगढ़ जिले के ब्यावर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में किसानों के खातों में फसल मुआवजा राशि का सीधा ट्रांसफर करेंगे। यह आयोजन ब्यावर के दशहरा मैदान में होने जा रहा है, जहां मंच से मुख्यमंत्री एक ही क्लिक में करोड़ों रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर करेंगे। इस कार्यक्रम में राज्यभर के किसान ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहेंगे, जिससे यह आयोजन पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ा इवेंट बन जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस पहल को किसान कल्याण की धन वर्षा कहा जा रहा है। लंबे समय से फसल मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे किसानों के लिए यह दिवाली से पहले सबसे बड़ी सौगात मानी जा रही है। राज्य सरकार ने यह राशि उन किसानों के लिए निर्धारित की है जिनकी फसलें बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि या बाढ़ के कारण खराब हुई थीं। बीते कुछ

महीनों में मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में असामान्य वर्षा के कारण कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ। इस साल 16 जून 2025 को मानसून के आगमन के बाद राज्य में औसत से 120 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई थी, जिसने फसल उत्पादन पर गहरा असर डाला। कई क्षेत्रों में धान, सोयाबीन, मूंग और उड़द जैसी प्रमुख फसलें बर्बाद हो गईं। ऐसे में मुख्यमंत्री की यह घोषणा न केवल आर्थिक राहत है, बल्कि यह किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। इस पहल से लाखों किसानों को सीधे लाभ मिलेगा और उन्हें अगली फसल की तैयारी के लिए नई ऊर्जा और आर्थिक स्थिरता प्राप्त होगी। कार्यक्रम को लेकर राजगढ़ जिले के प्रशासन और कृषि विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंच, तकनीकी व्यवस्था, सुरक्षा और किसानों की मौजूदगी को लेकर विशेष इंतज़ाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया है कि यह कार्यक्रम राज्य के हर जिले में लाइव प्रसारित किया जाएगा, ताकि सभी किसान इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन सकें। धनतेरस पर आयोजित यह आयोजन न केवल किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाएगा, बल्कि यह भी संदेश देगा कि मध्य प्रदेश की सरकार हर मुश्किल समय में अपने अन्नदाताओं के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की यह एक क्लिक योजना किसानों के लिए दिवाली से पहले आर्थिक राहत की सबसे बड़ी सौगात साबित होगी।

जुटेंगे संघ के शीर्ष नेता

RSS की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की अहम बैठक 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक, सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले रहेंगे मौजूद

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए इस वर्ष ऐतिहासिक होने वाला है, क्योंकि संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसी क्रम में आगामी 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक जबलपुर में आयोजित की जा रही है। यह बैठक न केवल संघ की वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा का मंच बनेगी, बल्कि आने वाले शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की दिशा तय करने का भी केंद्र बिंदु होगी। तीन दिनों तक चलने वाली यह बैठक दीपावली के बाद आयोजित होगी, जिसमें देशभर से आरएसएस के शीर्ष अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के साथ सभी छह सह सरकार्यवाह, प्रांत संघचालक, प्रांत कार्यवाह, प्रचारक और सह प्रचारक मौजूद रहेंगे। कुल मिलाकर संघ रचना के सभी 46 प्रांतों के प्रतिनिधि जबलपुर में एकत्र होंगे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, इस बैठक में वर्ष

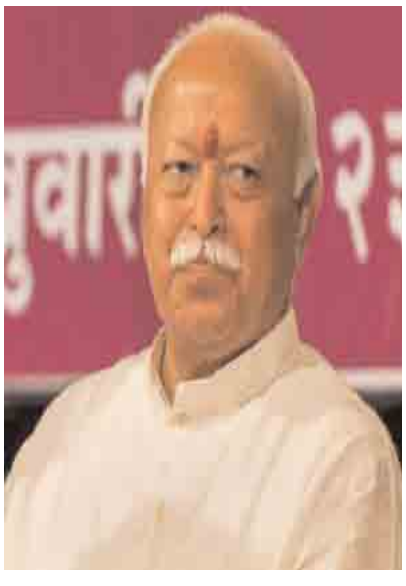

2025-26 की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा की जाएगी और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर गहन विमर्श होगा। इसके अलावा संघ के कार्य विस्तार, सामाजिक समरसता, राष्ट्र निर्माण और संगठन की जमीनी मजबूती पर भी चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि संघ के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हाल ही में नागपुर में विजयादशमी उत्सव के अवसर पर किया गया था। देशभर में इस अवसर को विशेष उत्सव के रूप में मनाया गया और अब जबलपुर में होने वाली यह बैठक उस अभियान को और आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। संघ सूत्रों के अनुसार, जबलपुर में इस बैठक के आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। स्थानीय स्वयंसेवकों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। सुरक्षा, आवास, भोजन और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक योजना तैयार की गई है। यह पहली बार होगा जब शताब्दी वर्ष के दौरान आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक मध्य प्रदेश के महाकौशल प्रांत में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में सभी प्रांत अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगे। साथ ही आने वाले महीनों में देशव्यापी विस्तार अभियान और सामाजिक परियोजनाओं के संबंध में भी प्रस्ताव रखे जाएंगे। जबलपुर का यह आयोजन आरएसएस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा, जहां संगठन के शीर्ष नेतृत्व के बीच भारत के भविष्य, समाज के उत्थान और राष्ट्र की दिशा को लेकर बड़े निर्णय लिए जाने की संभावना है।

प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में तीन दिन बारिश का अलर्ट, नर्मदापुरम-जबलपुर संभाग में दिखेगा असर

भोपाल । मध्य प्रदेश से मानसून की विदाई हो गई है, लेकिन आने वाले एक सप्ताह तक दक्षिणी हिस्से में हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। तीन दिन तक गरज चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 10 जिलों में असर देखने को मिलेगा। वहीं, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर समेत बाकी के हिस्से में तेज धूप खिली रहेगी। मानसून की विदाई के साथ ही प्रदेश की रातें ठंड हो गई है। कई शहरों में रात का तापमान 20 से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिणी हिस्से के जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। आज बुधवार को बूंदाबांदी होने की संभावना है। 15, 16 और 17 अक्टूबर को गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है। बीते मंगलवार को मौसम साफ रहा, लेकिन बुधवार को गरज-चमक और बूंदाबांदी हो सकती है। इस बीच प्रदेश में रातें ठंडी हो गई है। हवा का रुख बदलने से ऐसा हो रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। इस वजह से उत्तरी हवा चल रही है और मध्यप्रदेश में ठंडक बढ़ा रही है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के नीचे आ गया। भोपाल में 16 डिग्री, इंदौर में 17.2 डिग्री, ग्वालियर में 18.2 डिग्री, उज्जैन में 18.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह खंडवा में 15 डिग्री, राजगढ़ में 14.4 डिग्री, शिवपुरी में 16 डिग्री, नौगांव में 15.1 डिग्री, रीवा में 17.5 डिग्री, टीकमगढ़ में 17.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इंडेक्स होम्योपैथी और आयुर्वेदिक बने इंदौर के पहले एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल

मप्र सरकार द्वारा प्रदेश को आयुर्वेदिक और होम्योपैथी हब बनाने की दिशा सार्थक प्रयास

इंदौर। इंडेक्स होम्योपैथी और आयुर्वेदिक अस्पताल ने एनएबीएच मान्यता प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंदौर में यह पहले आयुर्वेदिक और होम्योपैथी अस्पताल होंगे जहां एनएबीएच मान्यता मिली है। मप्र सरकार और आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदेश को आयुर्वेदिक और होम्योपैथी हब बनाने की दिशा में किया जा रहा प्रयासों का यह परिणाम है। नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) की मान्यता से उच्च मापदंड तैयार करने और आम लोगों को इसका फायदा पहुंचाना उद्देश्य होता है। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया,वाइस चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया,मालवांचल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ.संजीव नारंग ने इंडेक्स आयुर्वेदिक और होम्योपैथी कॉलेजों की पूरी टीम की सराहना की। डायरेक्टर आयुर्वेदिक डॉ.विनोद यादव ने बताया कि क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया से संबद्ध एनएबीएच देशभर के अस्पतालों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मान्यता देता है। डायरेक्टर होम्योपैथी डॉ.रितेश विश्वकर्मा ने बताया कि हेल्थ इंडस्ट्री में गुणवत्ता के लिए उच्च मापदंड तैयार करने और आम लोगों को इसका फायदा पहुंचाना ही बोर्ड का उद्देश्य है। इंडेक्स होम्योपैथी कॉलेज,हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर प्राचार्य होम्योपैथी डॉ.सीएल यादव ने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि मप्र में भारतीय उपचार पद्धतियों का हब बनाने की पहल में यह एनएबीएच मान्यता एक मील का पत्थर साबित होगी। पहली बार इंदौर में 50 बेड के इंडेक्स होम्योपैथी अस्पताल को एनएबीएच मान्यता प्राप्त हुई है और यह हमारे प्रयासों का एक बेहतर परिणाम है। इंडेक्स आयुर्वेदिक कॉलेज,हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की प्राचार्या आयुर्वेद डॉ.प्राजक्ता तोमर ने कहा कि पहली बार इंदौर में 100 बेड के इंडेक्स आयुर्वेदिक अस्पताल कि चिकित्सा स्तर कि गुणवत्ता को परखते हुए हमें एनएबीएच कि तरफ से मान्यता प्राप्त हो गयी है। वर्ष 2019 में डब्ल्यूएचओ ने आयुर्वेद को पारम्परिक चिकित्सा प्रणाली मान लिया है। भारतीयों के बीच आयुर्वेद में रूचि एवं विश्वास काफी बढ़ा है। वहीं कोविड-19 महामारी ने आयुष चिकित्सा को घर-घर तक पहुंचा दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में घटिया निर्माण और धांधली के बावजूद इंदौर निगम को मिला बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड

रहवासी बोले : 'सम्मान नहीं, मज़ाक है'

इंदौर। यह वही शहर है जहां सरकार और निगम अपनी उपलब्धियों पर गर्व जताते नहीं थकते, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घटिया निर्माण और आवंटन में धांधली की शिकायतों के बीच इंदौर नगर निगम को अब बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड मिल गया है। यह अवॉर्ड मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में दिया गया, लेकिन जिन लोगों के सिर पर ये छतें टिकी हैं, वे इस सम्मान को देखकर हैरान हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी ने इंदौर नगर निगम को यह सम्मान उत्कृष्ट क्रियान्वयन और हितग्राहियों को समय पर लाभ देने के लिए प्रदान किया। निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव और स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने यह अवॉर्ड मंच पर प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में जो पहचान बनाई है, वह पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक है। लेकिन दूसरी ओर, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी यानी रहवासी इस अवॉर्ड को देखकर स्तब्ध हैं। क्योंकि जिन बिल्डिंगों में वे रहते हैं, वहां दीवारों में दरारें, छतों से टपकता पानी, टूटी सीढ़ियां और गंदगी आम बात है। भूरी टेकरी, नैनोद, पंचशील नगर, भीम नगर जैसे इलाकों में बने फ्लैटों की हालत इतनी खराब है कि भूरी टेकरी के फ्लैट तो निगम खुद तोड़ने का निर्णय ले चुका है।

जानकारों के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत इंदौर में 2009 से जेएनएनयूआरएम मिशन के तहत निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक लगभग डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन नतीजा यह है कि कई इमारतें जर्जर हो चुकी हैं और इनमें रहना भी मुश्किल हो गया है। आधी कीमत पर भी लोग इन फ्लैटों को खरीदने को तैयार नहीं हैं। लाइट हाउस योजना के तहत बिचौली हप्सी में बने फ्लैट तो मानो घटिया निर्माण की मिसाल बन गए हैं। यहां न तो बेसमेंट सही बना, न दीवारों की क्वालिटी ठीक है। खुद महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार कर चुके हैं कि इन बिल्डिंगों की गुणवत्ता बेहद खराब है और निर्माण के दौरान गंभीर लापरवाही हुई है। शहर के लोगों और आवास योजना के हितग्राहियों का कहना है कि यह अवॉर्ड जनता के साथ मज़ाक है। जिन घरों में दरारें हैं, छतें टपकती हैं और जिनके पाइपलाइन से गंदा पानी आता है, वही अगर बेस्ट परफॉर्मेंस कहलाए तो फिर नाकामी कैसी होती होगी? निगम अधिकारियों ने जहां इसे राज्यस्तरीय मान्यता बताया है, वहीं रहवासी सवाल उठा रहे हैं कि अगर अवॉर्ड का मतलब सिर्फ दिखावा है, तो फिर गरीबों के लिए बने ये घर कब तक उनकी तकलीफों का प्रतीक बने रहेंगे?

अवॉर्ड की चमक के बीच सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना की जमीनी तस्वीर अभी भी बदरंग है – और रहवासी हर दिन इस बेस्ट परफॉर्मेंस की असल कीमत चुका रहे हैं।

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़े...?

नीरज कुमार दुबे

शर्म-अल-शेख में आयोजित गाज़ा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ़ पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे और साथ ही भारत को महान देश बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं– लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं।

ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ़ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी विश्व उद्धारक की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया my very good friend जैसा संबोधन न सिर्फ़ व्यक्तिगत निकटता दर्शाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की रणनीतिक उपयोगिता से कहीं आगे निकल चुकी है। भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज़ पर संवाद के साथ संप्रभुता का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए प्रत्यक्ष बातचीत में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की ईमानदारी को रेखांकित करते हुए गाज़ा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की।

इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ, से लेकर अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ़ अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था। यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से समानता की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत धन्यवाद में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज़ अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा He is going to help make that happen, right?, वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में मध्यस्थ नहीं बल्कि निर्देशक की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने कृतज्ञता के ग्रंथ में बदल डाला।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की शांति की राजनीति में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर दूसरों के सहारे नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों पर खड़ा रहेगा। इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज़ शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है।

शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद गाज़ा शांति सम्मेलन के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं।

बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ़ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की। यह दृश्य दक्षिण एशिया की बदलती राजनीतिक मानसिकता और नेतृत्व की गुणवत्ता पर गहरी टिप्पणी छोड़ गया– जहाँ भारत का नेतृत्व आत्मगौरव और संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं पाकिस्तान का नेतृत्व आत्मविश्वासहीनता और निर्भरता की छवि में सिमट गया।

श्री लक्ष्मी नारायण का स्थान नाभि चक्र हमें धर्मपरायण बनाता हैं

सूक्ष्म शरीर का तृतीय चक्र नाभि चक्र कहलाता है। नाभि के पीछे इसकी दस पंखुड़ियां हैं। यह चक्र किसी भी चीज़ को अपने अन्दर बनाये रखने की शक्ति हमें देता है। शारीरिक स्तर पर यह सूर्य चक्र में सहायक है। नाभि चक्र पर श्री लक्ष्मी-नारायण का स्थान है। श्री लक्ष्मी-नारायण जी का स्थान जो है हमें धर्म के प्रति रुचि देता है। उसी के कारण हम धर्मपरायण होते हैं, उसीसे हम धर्म धारण करते हैं।

आपका नाभि चक्र यह सुझाता है कि आप अभी तक भी भौतिकता में फँसे हुए हैं। अगर आप चालबाज़ी करते हैं या करने की कोशिश करते हैं तो आपका नाभि चक्र क्षतिग्रस्त होता है और आप अपनी चेतना खो बैठते हैं। बाईं नाभि को यदि उत्तेजित कर दिया जाये जैसे हर समय दौड़ते रहने से, उछल-कूद से, उत्तेजना से, तो उत्तेजित बाईं नाभि के कारण रक्त कैन्सर तक हो सकता है। जो औरतें पति से दुर्व्यवहार करती हैं, उसकी उपेक्षा करती हैं, उन्हें भयानक आत्माघात (Siriosis), मस्तिष्क घात, पक्षाघात, शरीर का पूर्ण डिहाइड्रेशन हो सकता है। बाईं नाभि बहुत महत्वपूर्ण है।

नाभि चक्र में यदि खराबी हो तो सभी प्रकार के पेट के रोग, हो सकते हैं। जब इस चक्र का संतुलन आता है तब इसे खराब करने वाली बुरी आदतें जैसे मद्यपान, नशा सेवन छूट जाता है और तब वह सत्य साधना की ओर निकल पड़ता है, धन तथा सांसारिक वस्तुओं की अधिक चिन्ता नहीं करता। नाभि चक्र में हमारे अन्दर देवी लक्ष्मी जी बसती हैं। जब हमारी कुण्डलिनी नाभि पर आ जाती है तो हमारे अन्दर वो जाग्रति आ जाती है जिससे लक्ष्मी जी का स्वरूप हमारे अन्दर प्रकट हो जाता है। श्री माताजी ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा है कि

"आपके लक्ष्मी तत्व की जाग्रति के बगैर आपके अन्दर लक्ष्मी नहीं आयेंगी, हाँ पैसा आ जाएगा, ... केवल लक्ष्मी तत्व की जाग्रति से ही आप ऐसे लक्ष्मी पति हो सकते हैं जो समाधान में, इतने संतुलन में खड़ी हैं, वो कमल पर ही खड़ी रहती हैं - इतनी सादगी से, इतनी मर्यादा से वो रहती हैं। यही गुण आप में जाग्रत हो जाते हैं।" जब नाभि चक्र को पार लेते हैं तो पैसा अधिक महत्वपूर्ण नहीं रह जाता संतोष प्राप्त हो जाता है। दानत्व का भाव जागृत हो जाता है आदमी जो होता है वो अपने लिये कुछ भी संग्रह नहीं करता, देने में ही उसको आनन्द आता है, लेने में नहीं। श्री लक्ष्मी जी और सभी देवियाँ महिलायें है, इनकी विशेषता क्या है? अपना स्वभाव एवं गुणों का आशीर्वाद लोगों को देना। ये गुण हैं गांभीर्य, तेजस्विता, उदारता, दान, निष्ठा, सेवा, गरिमा, अतिथि सत्कार, एक शान पर झूठा घमंड नहीं। सहजयोग में नियमित ध्यान के माध्यम से नाभि चक्र के संतुलन द्वारा इसके गुणों को आत्मसात कर सौभाग्य लक्ष्मी की प्राप्ति सहज ही में कर सकते हैं। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं ।

रवीना ने अदा किया

मातृभूमि का शुक्रिया

अभिनेत्री रवीना टंडन त्योहारों की शुरुआत से बेहद खुश हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने समृद्ध रंगीन संस्कृति, इतिहास और खुशी की वजह देने के लिए मातृभूमि भारत को धन्यवाद किया है। रवीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें सुनीता कपूर, शिल्पा शेट्टी, महीप कपूर, भावना पांडे, सोनम कपूर और मीरा राजपूत सहित करवा चौथ का त्योहार मनाती नजर आईं। इन तस्वीरों के अलावा रवीना ने कैप्शन में लिखा, जश्न का मौसम शुरू हो गया है। प्यार, परिवार, जन्मदिन, खुशी, मुस्कान, रंग, हंसी, संगीत और डांस। आगे रवीना ने अपनी मातृभूमि का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, मेरे भारत, मेरी मातृभूमि, मुझे यह समृद्ध, रंगीन संस्कृति, इतिहास और खुशी की वजह देने के लिए धन्यवाद।

रवीना टंडन का करियरः रवीना टंडन आखिरी बार निर्देशक बिनॉय गांधी की फिल्म घुड़चड़ी में नजर आई थीं। इस फिल्म में रवीना के अलावा संजय दत्त, पार्थ समथान, खुशाली कुमार और अरुणा ईरानी ने मुख्य भूमिका निभाई है। वहीं ओटीटी की बात करें तो, रवीना आखिरी बार कर्मा कॉलिंग में नजर आई थीं। इस सीरीज में रवीना के अलावा नम्रता सेठ, वरुण सूद और विक्रमजीत विर्क भी हैं।

रवीना का वर्कफ्रंट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रवीना संभावित शीर्षक सूर्या 46 में नजर आएंगी। इस फिल्म में सूर्या और ममिथा बैजू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा अप्रैल 2025 में संभावित शीर्षक सूर्या 46 के तहत की गई थी। यह फिल्म सूर्या की मुख्य भूमिका वाली 46वीं फिल्म है।

राजनीति मेरे स्वभाव के अनुरूप नहीं

बिहार चुनाव लड़ने की अटकलों पर खेसारी लाल यादव का बयान

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राज्य की सियासत में न केवल राजनीतिक चेहरों की हलचल तेज हो गई है, बल्कि फिल्मी सितारों की राय और बयानबाजी भी सुर्खियों में है। खासकर भोजपुरी सिनेमा से जुड़े सितारे इन दिनों चर्चा के केंद्र में हैं। इसी बीच, भोजपुरी सुपरस्टार खेसारीलाल यादव ने बिहार की राजनीति को लेकर अहम बयान दिए। उन्होंने न केवल विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की सराहना की, बल्कि प्रशांत किशोर की सोच को भी सराहा। वहीं पवन सिंह के निजी विवाद पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी और समाधान की सलाह दी। खेसारी लाल यादव ने अपने बयान में साफ कहा कि अब वक्त आ गया है जब बिहार को एक बार बदलकर देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब तक बदलाव नहीं आएगा, तब तक राज्य का विकास भी संभव नहीं है। इस बार जनता की सोच में बदलाव आया है और जो नेता लोगों के विश्वास में खरा उतरेगा, वही चुनाव जीत सकता है। उन्होंने तेजस्वी यादव के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि तेजस्वी ने युवाओं के लिए नई संभावनाएं और मौके खोले हैं, जो पहले नहीं दिखते थे।